

शोधनिर्देशक

प्रा.डा. देवी प्रसाद गौतम

बान्तावा भाषा र नेपाली भाषाको पदसङ्गतिको व्यतिरेकी
अध्ययन

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र
सङ्काय अन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागको
स्नातकोत्तर तह द्वितीय वर्षको दशौ
पत्रको प्रयोजनका लागि
प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी
प्रभा राई
नेपाली केन्द्रीय विभाग
त्रिभुवन विश्वविद्यालय कीर्तिपुर

२०७०

निर्देशकको सिफारिस पत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय अन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागको एम् .ए.दोस्रो बर्षको विद्यार्थी प्रभा राईले **बान्तावा भाषा र नेपाली भाषाको पदसङ्गतिको व्यतिरेकी अध्ययन** शीर्षक मेरो निर्देशनमा तयार गर्नुभएको हो । यसको आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि सिफारिस गर्दछु ।

शोधनिर्देशक

.....

प्रा. डा. देवीप्रसाद

गौतम

नेपाली केन्द्रीय विभाग

त्रि.वि. कीर्तिपुर

काठमाडौं

मिति : २०७०/६/१०

त्रिभुवन विश्वविद्यालय नेपाली केन्द्रीय विभाग

स्वीकृति पत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्कायका छात्रा श्री प्रभा राईले स्नातकोत्तर (एम. ए.) तहको नेपाली विषयको दशौ पत्रको प्रयोजनका लागि प्रस्तुत गर्नुभएको बान्तावा भाषा र नेपाली भाषाको पदसङ्गतिको व्यतिरेकी अध्ययन शीर्षकको शोधपत्र सोही प्रयोजनका निमित्त स्वीकृत गरिएको छ ।

मूल्याङ्कन- समिति

क्र.सं.

हस्ताक्षर

१. प्रा.डा देवी प्रसाद गौतम (विभागीय प्रमुख)

.....

१. प्रा.डा देवी प्रसाद गौतम (शोधनिर्देशक)

..... २. प्रा.मोहनराज शर्मा (बाह्य परीक्षक)

.....

मिति: २०७०/६/१०

कृतज्ञता पत्र

प्रस्तुत बान्तावा भाषा र नेपाली भाषाको पदसङ्गतिको व्यतिरेकी अध्ययन शीर्षकको शोध पत्र आदरणिय गुरु प्रा.डा. देवी प्रसाद गौतमको कुशल निर्देशनमा त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा समाजशास्त्र सङ्काय अन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभाग स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षका दशौं पत्रको प्रयोजनार्थ तयार पारेकी हा । विविध कार्यव्यस्तताका साथै विविध कार्यलाई थाती राखी मलाई अमूल्य समय सुभावा प्रेरणा हौसला दिई शोधकार्यमा सहयोग पु-याउनु हुने निर्देशन गर्नु हुने श्रदेय गुरु निर्देशक प्रति हादिक कृतज्ञता ज्ञापन गर्दछु । यस शोध पत्रको शोध प्रस्ताव स्वीकार गरी शोध कार्य गर्न अवशर प्रदान गर्नु हुने आदरणिय गुरुहरू प्रति हादिक आभार प्रकट गर्दछु ।

प्रस्तुत शोधकार्य गर्न हौसला प्रदान गर्नुहुने र मलाई उच्च शिक्षा प्राप्तिका लागि शुअवसर प्रदान गर्नुहुने ममतामयी आमा, बुबा र दिदी प्रति हादिक आभार प्रकट गर्दछु । शोधपत्र निर्माणको सिलसिलामा सामग्री उपलब्द गराउने संघसस्था एवम् अमूल्य सल्लाह/राय दिएर सहयोग प्रदान गर्नु हुने मित्र सपना थापा र पवित्रा गुरुडलाई सहहृदय धन्यवाद दिन चाहन्छु । साथै आर्थिक सहयोग उपलब्द गराइदिने नेपाल आदिवासी जनजाति राष्ट्रिय उत्थान प्रतिष्ठान प्रति म सदा आभारी रहेछु ।

अन्त्यमा छिटो छरितो र शुद्ध रूपमा टड्कन गरी सहयोग गर्नुहुने श्री शेखर राई लाई धन्यवाद दिदै प्रस्तुत शोध पत्रलाई आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि नेपाली केन्द्रीय विभाग समक्ष पेश गर्दछु ।

शोधार्थी

प्रभा राई

नेपाली केन्द्रीय विभाग

त्रि.वि. कीर्तिपुर काठमाडौं

शैक्षिक सत्र: २०६७/६७

विषय सूची

| | पृ.स. |
|--|-------|
| अध्याय एक : शोध परिचय | १-७ |
| १.१ शोध शीर्षक | १ |
| १.२ शोध प्रयोजन | १ |
| १.३ विषय प्रवेश | १ |
| १.४ समस्या कथन | २ |
| १.५ शोधको उद्देश्य | ३ |
| १.६ पूर्वकार्यको समीक्षा | ३ |
| १.७ शोधको औचित्य | ५ |
| १.८ शोधको विधि | ६ |
| १.९ शोध सीमाङ्कन | ६ |
| १.१० शोध रूपरेखा | ७ |
| अध्ययन दुई: बान्तावा भाषाको परिचय | ८-९ |
| २.१ बान्तावा भाषाको परिचय | ८ |
| २.२ बान्तावा भाषा सम्बन्धी गरिएका अध्ययन | ९ |
| अध्याय तीन : पदसङ्गतिको परिचय | १३-१४ |

| | | |
|---|--|-------|
| ३.१ | पदसङ्गतिको परिचय | १३ |
| ३.२ | पदसङ्गतिको प्रकार | १४ |
| अध्याय चार : लिङ्ग, वचन, र आदरमा नामपदको सङ्गति | | १९-४३ |
| ४. | पृष्ठभूमि | १९ |
| ४.१ | नाम | १९ |
| ४.२ | नामको बनोट | १९ |
| ४.२.१. | सरल नाम | १९ |
| ४.२.२ | जटिल नाम | २१ |
| ४.२.२.१ | व्युत्पन्न नाम | २१ |
| ४.२.२.२ | समास | २३ |
| ४.२.२.३ | द्वित्व | २५ |
| ४.३ | विभिन्न वचन नामपदको लिङ्गसङ्गति | २६ |
| ४.३.१ | एकवचनमा लिङ्गसङ्गति | २७ |
| ४.३.२ | बहुवचनमा लिङ्गसङ्गति | २८ |
| ४.४ | विभिन्न आदरार्थीमा नामपदको लिङ्गसङ्गति | २९ |
| ४.४.१ | अनादर लिङ्गसङ्गति | ३० |
| ४.४.२ | आदरमा लिङ्गसङ्गति | ३१ |
| ४.५ | विभिन्न लिङ्गमा नामपदको वचनसङ्गति | ३२ |
| ४.५.१ | पुलिङ्गमा वचनसङ्गति | ३३ |
| ४.५.२ | स्त्रीलिङ्गमा वचनसङ्गति | ३४ |

| | | |
|--|--------------------------------------|-------|
| ४.६ | विभिन्न आदरार्थीमा नामपदको वचनसङ्गति | ३६ |
| ४.६.१ | अनादरमा वचनसङ्गति | ३६ |
| ४.६.२ | आदरमा वचनसङ्गति | ३७ |
| ४.७ | विभिन्न लिङ्गमा नामपदको आदरसङ्गति | ३८ |
| ४.७.१ | पुलिङ्गमा आदरसङ्गति | ३८ |
| ४.७.२ | स्त्रीलिङ्गमा आदरसङ्गति | ३९ |
| ४.८ | विभिन्न वचनमा नामपदको आदरसङ्गति | ४० |
| ४.८.१ | एकवचनमा आदरसङ्गति | ४० |
| ४.८.२ | बहुवचनमा आदरसङ्गति | ४२ |
| ४.९ | सारांश | ४३ |
| अध्याय पाच- लिङ्ग, वचन, पुरुष र आदरमा सर्वनामको सङ्गति | | ४५-८३ |
| ५. | पृष्ठभूमि | ४५ |
| ५.१ | सर्वनाम | ४५ |
| ५.२ | सर्वनामका प्रकार | ४५ |
| ५.२.१ | पुरुषवाचक सर्वनाम | ४७ |
| ५.२.२ | दर्शकवाचक सर्वनाम | ४८ |
| | ५.२.३ प्रश्नवाचक सर्वनाम | |
| | ४९ | |
| ५.२.४ | स्वामित्ववाचक सर्वनाम | ५० |
| ५.३ | विभिन्न वचनमा सर्वनामको लिङ्गसङ्गति | ५३ |

| | | |
|-------|---------------------------------------|----|
| ५.३.१ | एकवचनमा लिङ्गसङ्गति | ५३ |
| ५.३.२ | द्विवचनमा लिङ्गसङ्गति | ५४ |
| ५.३.३ | बहुवचनमा लिङ्गसङ्गति | ५५ |
| ५.४ | विभिन्न पुरुषमा सर्वनामको लिङ्गसङ्गति | ५५ |
| ५.४.१ | प्रथम पुरुषमा लिङ्गसङ्गति | ५६ |
| ५.४.२ | द्वितीय पुरुषमा लिङ्गसङ्गति | ५७ |
| ५.४.३ | तृतीय पुरुषमा लिङ्गसङ्गति | ५८ |
| ५.५ | विभिन्न आदरमा सर्वनामको लिङ्गसङ्गति | ५९ |
| ५.५.१ | अनादरमा लिङ्गसङ्गति | ५६ |
| ५.५.२ | आदरमा लिङ्गसङ्गति | ६१ |
| ५.६ | विभिन्न लिङ्गमा सर्वनामको वचनसङ्गति | ६१ |
| ५.६.१ | पुलिङ्गमा वचनसङ्गति | ६२ |
| ५.६.२ | स्त्रीलिङ्गमा वचनसङ्गति | ६३ |
| ५.७ | विभिन्न पुरुषमा सर्वनामको वचनसङ्गति | ६५ |
| ५.७.१ | प्रथम पुरुषमा वचनसङ्गति | ६५ |
| ५.७.२ | द्वितीय पुरुषमा वचनसङ्गति | ६६ |
| ५.७.३ | तृतीय पुरुषमा वचनसङ्गति | ६७ |
| ५.८ | विभिन्न आदरमा सर्वनामको वचनसङ्गति | ६८ |
| ५.८.१ | अनादरमा वचनसङ्गति | ६८ |
| ५.८.२ | आदरमा वचनसङ्गति | ७० |

| | | |
|------------|---------------------------------------|--------|
| ५.९ | विभिन्न लिङ्गमा सर्वनामको पुरुषसङ्गति | ७० |
| ५.९.१ | पुलिङ्गमा पुरुषसङ्गति | ७१ |
| ५.९.२ | स्त्रीलिङ्गमा पुरुषसङ्गति | ७२ |
| ५.१० | विभिन्न वचनमा सर्वनामको पुरुषसङ्गति | ७३ |
| ५.१०.१ | एकवचनमा पुरुषसङ्गति | ७३ |
| ५.१०.२ | द्विवचनमा पुरुषसङ्गति | ७४ |
| ५.१०.३ | बहुवचनमा पुरुषसङ्गति | ७५ |
| ५.११ | विभिन्न आदरमा सर्वनामको पुरुषसङ्गति | ७६ |
| ५.११.१ | सामान्य आदरमा पुरुषसङ्गति | ७६ |
| ५.११.२ | आदरमा पुरुषसङ्गति | ७८ |
| ५.१२ | विभिन्न वचनमा सर्वनामको आदरसङ्गति | ७८ |
| ५.१२.१ | एकवचनमा आदरसङ्गति | ७८ |
| ५.१२.२ | द्विवचनमा आदरसङ्गति | ७९ |
| ५.१२.३ | बहुवचनमा आदरसङ्गति | ८० |
| ५.१३ | विभिन्न पुरुषमा सर्वनामको आदरसङ्गति | ८१ |
| ५.१३.१ | प्रथम पुरुषमा आदरसङ्गति | ८१ |
| ५.१३.२ | द्वितीय पुरुषमा आदरसङ्गति | ८२ |
| ५.१३.३ | तृतीय पुरुषमा आदरसङ्गति | ८३ |
| ५.१४ | सारांश | ८३ |
| अध्याय छ : | लिङ्ग, वचन र आदरमा विशेषणको सङ्गति | ८६-१०९ |

| | | |
|---------|---|-----|
| ६. | पृष्ठभूमि | ८६ |
| ६.१ | विशेषण | ८६ |
| ६.२ | विशेषणको बनोट | ८६ |
| ६.२.१ | सरल विशेषण | ८६ |
| ६.२.२ | जटिल विशेषण | ८९ |
| ६.२.२.१ | व्युत्पादन | ८९ |
| ६.२.२.२ | समास | ९२ |
| ६.२.३ | द्वित्व | ९३ |
| ६.२. | त्रित्व | ९४ |
| ६.३ | विभिन्न वचनमा विशेषणको लिङ्गसङ्गति | ९६ |
| ६.३.१ | एकवचनमा लिङ्गसङ्गति | ९७ |
| ६.३.२ | बहुवचनमा लिङ्गसङ्गति | ९८ |
| ६.४ | विभिन्न आदरार्थीमा विशेषणको लिङ्गसङ्गति | ९९ |
| ६.४.१ | अनादरमा लिङ्गसङ्गति | ९९ |
| ६.४.२ | आदरमा लिङ्गसङ्गति | ९९ |
| ६.५ | विभिन्न लिङ्गमा विशेषणको वचनसङ्गति | १०० |
| ६.५.१ | पुलिङ्गमा वचनसङ्गति | १०१ |
| ६.५.२ | स्त्रीलिङ्गमा वचनसङ्गति | १०२ |
| ६.६ | विभिन्न आदरार्थीमा विशेषणको वचनसङ्गति | १०२ |
| ६.६.१ | अनादरमा वचनसङ्गति | १०२ |

| | | |
|--|--|---------|
| ६.६.२ | आदरमा वचनसङ्गति | १०४ |
| ६.७ | विभिन्न लिङ्गमा विशेषणको आदरसङ्गति | १०४ |
| ६.७.१ | पुलिङ्गमा वचनसङ्गति | १०४ |
| ६.७.२ | स्त्रीलिङ्गमा वचनसङ्गति | १०५ |
| ६.८ | विभिन्न वचनमा विशेषणको आदरसङ्गति | १०६ |
| ६.८.१ | एकवचनमा आदरसङ्गति | १०७ |
| ६.८.२ | बहुवचनमा आदरसङ्गति | १०८ |
| ६.९ | सारांश | १०९ |
| अध्याय सात: लिङ्ग वचन, पुरुष र आदरमा क्रियापदको सङ्गति | | ११२-१४२ |
| ७. | पृष्ठभूमि | ११२ |
| ७.१ | क्रिया | ११२ |
| ७.२ | क्रियाको बनोट | ११२ |
| ७.२.१ | सरल क्रिया | ११२ |
| ७.२.२ | जटिल क्रिया | ११४ |
| ७.३ | विभिन्न वचनमा क्रियापदको लिङ्गसङ्गति | ११५ |
| ७.३.१ | एकवचनमा लिङ्गसङ्गति | ११५ |
| ७.३.२ | द्विवचनमा | ११६ |
| ७.३.३ | बहुवचनमा लिङ्गसङ्गति | ११६ |
| ७.४ | विभिन्न पुरुषमा क्रियापदको लिङ्गसङ्गति | ११७ |
| ७.४.१ | प्रथम पुरुषमा लिङ्गसङ्गति | ११७ |

| | | |
|--------|---|-----|
| ७.४.२ | द्वितीय पुरुषमा लिङ्गसङ्गति | ११८ |
| ७.४.३ | तृतीय पुरुषमा लिङ्गसङ्गति | ११९ |
| ७.५ | विभिन्न आदरमा क्रियापदको लिङ्गसङ्गति | १२० |
| ७.५.१ | अनादरमा लिङ्गसङ्गति | १२१ |
| ७.५.२ | आदरमा लिङ्गसङ्गति | १२२ |
| ७.६ | विभिन्न लिङ्गमा क्रियापदको वचनसङ्गति | १२२ |
| ७.६.१ | पुलिङ्गमा वचनसङ्गति | १२३ |
| ७.६.२ | स्त्रीलिङ्गमा वचनसङ्गति | १२४ |
| ७.७ | विभिन्न आदरार्थीमा क्रियापदको वचनसङ्गति | १२५ |
| ७.७.१ | अनादरमा वचनसङ्गति | १२५ |
| ७.७.२ | आदरमा वचनसङ्गति | १२६ |
| ७.८ | विभिन्न लिङ्गमा क्रियापदको पुरुषसङ्गति | १२७ |
| ७.८.१ | पुलिङ्गमा पुरुषसङ्गति | १२७ |
| ७.८.२ | स्त्रीलिङ्गमा पुरुषसङ्गति | १२८ |
| ७.९ | विभिन्न वचनमा क्रियापदको पुरुषसङ्गति | १२९ |
| ७.९.१ | एकवचनमा पुरुषसङ्गति | १२९ |
| ७.९.२ | द्विवचनमा पुरुषसङ्गति | १३० |
| ७.९.३ | बहुवचनमा पुरुषसङ्गति | १३२ |
| ७.१० | विभिन्न आदरमा क्रियापदको पुरुषसङ्गति | १३३ |
| ७.१०.१ | अनादरमा पुरुषसङ्गति | १३३ |

| | | |
|--|--------------------------------------|-----|
| ७.१०.२ | आदरमा पुरुषसङ्गति | १३४ |
| ७.११ | विभिन्न लिङ्गमा क्रियापदको आदरसङ्गति | १३५ |
| ७.११.१ | पुलिङ्गमा आदरसङ्गति | १३५ |
| ७.११.२ | स्त्रीलिङ्गमा आदरसङ्गति | १३६ |
| ७.१२ | विभिन्न वचनमा क्रियापदको आदरसङ्गति | १३७ |
| ७.१२.१ | एकवचनमा आदरसङ्गति | १३७ |
| ७.१२.२ | द्विवचनमा आदरसङ्गति | १३८ |
| ७.१२.३ | बहुवचनमा आदरसङ्गति | १३८ |
| ७.१३ | विभिन्न पुरुषमा क्रियापदको आदरसङ्गति | १३९ |
| ७.१३.१ | प्रथम पुरुषमा आदरसङ्गति | १३९ |
| ७.१३.२ | द्वितीय पुरुषमा आदरसङ्गति | १४० |
| ७.१३.३ | तृतीय पुरुषमा आदरसङ्गति | १४१ |
| ७.१४ | सारांश | १४२ |
| अध्याय आठ: उपसंहार तथा निष्कर्ष | | |
| ८.१ | निष्कर्ष | १४५ |
| सन्दर्भ ग्रन्थ सूची | | |

सङ्क्षेपीकरण

| | |
|------------|---------------|
| भू. प्र. | भूतकाल |
| अ.भू. | अभूतकाल |
| आ. | आदर |
| अना. | अनादर |
| क्रि. | क्रिया |
| क. प. | कर्तापद |
| ना.प. | नामपद |
| पु. | पुलिङ्ग |
| स्त्री. | स्त्रीलिङ्ग |
| बहु.व.प्र. | बहुवचन प्रयोग |
| उप. | उपसर्ग |
| समा. | समावेशी |
| असमा. | असमावेशी |
| सर्वना. | सर्वनाम |
| प्र.पु. | प्रथम पुरुष |
| द्वि.पु. | द्वितीय पुरुष |
| तृ.पु. | तृतीय पुरुष |
| वि. | विशेषण |
| द्वि.व. | द्विवचन |
| ए.व | एकवचन |
| क.का | कर्ता कारक |